"भारतीय क्रिकेट में कई मजेदार चीजें हो रही हैं। रणजी ट्रॉफी में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज को दक्षिण क्षेत्र की टीम के लिए भी नहीं चुना जाना उतना ही चौंकाने वाला है। इससे यह पता चलता है कि रणजी ट्रॉफी को बेकार टूर्नामेंट समझा जाता है। कितनी शर्म की बात है।" **वेंकटेश प्रसाद**

पूर्व भारतीय गेंदबाज, केरल के स्पिनर जलज सक्सेना का दिलीप ट्राफी में चयन ना होने पर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्य रहाणे

भारत के अनुभवी बल्लेबाज रहाणे वेस्टइंडीज के खिलाफ उसकी सरजमीं पर दो टेस्ट की श्रृंखला के बाद इंग्लिश काउंटी टीम लीसेस्टरशर की ओर से डिविजन दो में खेलेंगे। पूर्व भारतीय कप्तान रहाणे ने इसी महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के साथ भारतीय टीम में सफल वापसी की थी। रहाणे ने जनवरी में लीसेस्टशर के साथ करार किया था और आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रतिनिधित्व करने के बाद उन्हें जून से सितंबर के बीच टीम के लिए आठ प्रथम श्रेणी मैच के अलावा पूरा रॉयल लंदन कप (50 ओवर का घरेलू टूर्नामेंट) खेलना था।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मो. सामी ने एक ओवर में 17 गेंदें फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

ओलंपियास्टेडियन में हुआ स्पेशल ओलंपिक खेलों का भव्य उद्घाटन

बर्लिन, 18 जून। बर्लिन के प्रतिष्ठित ओलंपियास्टेडियन में जोरदार और उत्साही दर्शकों के बीच 255 सदस्यीय भारतीय दल ने शनिवार रात स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों के उद्घाटन समारोह में मार्च किया।

जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर, चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ और स्पेशल ओलंपिक के अध्यक्ष टिमोथी श्राइवर उद्घाटन समारोह में बतौर अतिथि शामिल हुए। भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रोलर स्केटर आर्यन नागल्ली ने किया। नगल्ली को बचपन में एक विशेष आवश्यकता वाला एथलीट होने के कारण एक रोलर-स्केटिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के अवसर से वंचित कर दिया गया था। इस घटना ने उनके माता-पिता को एक रोलर-स्केटिंग अकादमी स्थापित करने के लिये प्रेरित किया। इस अकादमी में कई विशेष एथलीट प्रशिक्षण ले रहे हैं, जबकि युवा आर्यन राज्य स्तर पर सबसे सफल एथलीटों में से एक बन गये है।

हैलैंड के गोल के बावजूद स्कॉटलैंड से हारा नॉर्वे

लिस्बन, 18 जून। एर्लिंग हैलेंड ने नॉर्वे की टीम में वापसी करते हुए गोल दागा लेकिन इसके बावजूद स्कॉटलैंड ने अगले साल होने वाली यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो) की क्वालीफाइंग स्पर्धा में पिछडने के बाद 2-1 से जीत दर्ज की।

पुर्तगाल ने महान खिलाडी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 199वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ब्रूनो फर्नांडिज के दो गोल की मदद से बोस्निया-हर्जेगोविना को 3-0 से शिकस्त दी। बेल्जियम की टीम ने चोटिल केविन डि ब्रून के बिना खेलते हुए ऑस्ट्रिया को 1-1 से बराबरी पर रोका। ग्रुप ए में नॉर्वे को हराने के बाद स्कॉटलैंड शीर्ष पर चल रहा है और उसकी नजरें 1996 के बाद पहली बार लगातार दूसरी बार यूरोपीय चैंपियनशिप में जगह बनाने पर टिकी हैं।

मार्च में चोटिल होने के बाद पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे हैलेंड ने 61वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागकर नॉर्वे को बढत दिलाई लेकिन इसके बाद कोच ने उन्हें बदल दिया जिसका फायदा उठाकर स्कॉटलैंड ने दो मिनट में दो गोल दागकर जीत सुनिश्चित की।

इस हार से नॉर्वे की क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है। टीम का दो मैच में सिर्फ एक अंक है। स्पेन के दो मैच में तीन अंक हैं। टीम को स्कॉटलैंड के खिलाफ हार झेलनी पडी थी। ग्रुप के एक अन्य मैच में जॉर्जिया ने साइप्रस को 2-1 से हराया।

भारत ने जीता इंटरकॉन्टिनेंटल कप

भुवनेश्वर, 18 जून । भारत ने रविवार को इंटरकॉन्टिनेंटल कप के फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराकर दूसरी बार यह खिताब अपने नाम कर लिया।

कलिंगा स्टेडियम पर 12,000 फुटबॉल प्रेमियों के बीच खेले गये खिताबी मुकाबले में सुनील छेत्री (46वां मिनट) और लल्लियंज़ुआला छांगटे (66वां मिनट) ने भारत के गोल किये। उल्लेखनीय है कि चार टीमों के टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ एक भी गोल नहीं हुआ।

भारत और लेबनान के बीच गुरुवार को खेला गया लीग चरण मुकाबला शून्य गोल पर समाप्त हुआ था। फाइनल के पहले हाफ में भी दोनों में से कोई टीम गेंद को नेट में नहीं पहुंचा सकी। लेबनान पर लगातार दबाव रखने के बावजूद भारत को खाता खोलने के लिये संघर्ष करना पडा।

कप्तान छेत्री ने पांचवें मिनट में सहल अब्दुल समद को क्रॉस दिया लेकिन लेबनान के बॉक्स में खडे सहल इसका फायदा नहीं उठा सके। मैच के 22वें मिनट में लेबनान के कप्तान हसन मातूक भारतीय गोल के पास आये लेकिन उनका खराब निशाना भारत के लिये हानिरहित था।

पहले हाफ में गोल पर एक भी निशाना न लगा सकने वाली भारतीय टीम ने दूसरा हाफ शुरू होते ही खाता खोल लिया। भारत का पहला गोल करने के लिये निखिल पुजारी ने बॉल छांगटे को पास की। छांगटे ने बॉल को ड्रिबल करते हुए छेत्री के पास पहुंचाया, जिन्होंने अपना 87वां गोल दागते हुए भारत को बढत दिला दी। कोच इगोर स्टिमच की टीम को अब बस अपनी बढत बरकरार रखने पर ध्यान देना था, हालांकि छांगटे के लिये रात अब भी बाकी थी। महेश ने सबसे पहले भारत की बढत दोगुनी करने का प्रयास किया, लेकिन लेबनान के गोलकीपर को पार नहीं कर सके।

लेबनान के गोलकीपर सबेह बॉल को अपनी पकड में नहीं रख सके और पहले गोल में दर्शनीय असिस्ट करने वाले छांगटे ने धैर्य के साथ बॉल को नेट में पहुंचाकर भारत का स्कोर 2-0 कर दिया। मैच के आखिरी 10 मिनटों में लेबनान के कप्तान मातूक के अलावा टीम कोई अवसर नहीं बना सकी। आखिरी मिनट में सबेह द्वारा महेश का हेडर रोके जाने के बावजूद भारत ने 2-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आईसीसी आचार-संहिता के उल्लंघन के लिये मोईन पर लगा जुर्माना

बर्मिंघम, 18 जून। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाडी मोईन अली को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहले टेस्ट के दौरान आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के कारण उनपर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को यह जानकारी दी।

मोईन अली को खिलाड़ियों और खिलाडी सहयोगी कर्मियों के लिये आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन करते पाया गया। यह अनुच्छेद खेल भावना के विपरीत आचरण प्रदर्शित करने से संबंधित है। आईसीसी आचार संहिता के स्तर एक के उल्लंघन के लिये मोईन के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। पिछले 24 महीनों में यह इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाडी का पहला अपराध था। यह घटना एजबेस्टन में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 89वें ओवर के दौरान हुई जब बाउंड्री के पास फील्डिंग के लिये खडे मोईन अपनी उंगली पर मरहम लगाते हुए नज़र आये। मोईन ने अपना अपराध मानते हुए मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया। आईसीसी की ओर से जारी विज्ञिप्त के अनुसार, पाइक्रोफ्ट इस बात से संतुष्ट थे कि मोईन ने वह क्रीम सिर्फ अपना हाथ सुखाने के लिये लगायी थी। वह क्रीम गेंद पर मलने के लिये हाथ में नहीं ली गयी थी, इसलिये मोईन पर आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 41.3 (अनुचित खेल, गेंद के साथ छेडछाड) के उल्लंघन का आरोप नहीं लगाया गया। मैदानी अंपायर अहसान रजा और मराइस इरास्मस, तीसरे अंपायर क्रिस गैफनी और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने मोईन पर यह आरोप लगाया। स्तर एक के उल्लंघन पर कम से कम आधिकारिक फटकार, खिलाडी की मैच फीस का अधिकतम 50 फीसदी जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक का प्रावधान है।

चित्रवेल को मोनाको डायमंड लीग में पहुंचने की उम्मीद

भुवनेश्वर, 18 जून । राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाई करने वाले लंबी कूद एथलीट प्रवीण चित्रवेल को अब अगले महीने होने वाले मोनाको डायमंड लीग में पहुंचने की उम्मीद है। हाल ही में चोट से उभरने के बावजूद चित्रवेल ने 17.07 मीटर की छलांग के साथ चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ उन्होंने एशियाई खेलों के 16.60 मीटर के क्वालीफिकेशन निशान को पार करके एशियाड में भी जगह बना ली। इंस्पायर इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में उनके साथी अब्दुल्ला अबूबकर ने 16.88 मीटर की छलांग के साथ रजत जबकि एल्डहोज पॉल ने 16.75 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ कांस्य पदक जीता।

हवाना में 17.37 मीटर की छलांग के साथ विश्व चैंपियनशिप के लिये पहले ही क्वालीफाई कर चुके चित्रवेल ने अंतरराज्यीय चैंपियनशिप के लिये अपनी तैयारी पर कहा, मैं एक चोट के बाद वापस आ रहा था, इसलिए मेरा उद्देश्य एशियाई खेलों के लिये सुरक्षित रूप से क्वालीफाई करना था। मैंने खुद पर ज्यादा मेहनत नहीं की। इसके अलावा, हमारे पास कई प्रतियोगिताओं के साथ एक व्यस्त सीजन है और मुझे जीत का सिलसिला जारी रखना है। मुझे आगे बढाने में मदद करने के लिये मैं कोच और पूरी टीम का शुक्रगुजार हूं। उन्होंने कहा, "मैंने कोच बेटनजोस से बात की है और उन्हें उम्मीद है कि हमें 21 जुलाई, 2023 को होने वाली मोनाको डायमंड लीग में प्रवेश मिलेगा। मैं अगले महीने के अंत में (होने वाली डायमंड लीग में) संभावित उपस्थिति की प्रतीक्षा कर रहा हूं।" डायमंड लीग का अगला आयोजन लुसाने में 30 जून को होगा, जबकि मोनाको से पहले स्कॉटहोम और सिलेसिया में भी लीग का एक-एक चरण आयोजित किया जायेगा। पूरी तरह फिट होने के बाद चित्रवेल को आगामी आयोजनों में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, "पिछले महीने मुझे मांसपेशियों में खिंचाव हुआ था और तब से मैं ठीक हो रहा हूं। मुझे खुशी है कि मैं अब पूरी तरह से फिट महसूस कर रहा हूं और मैं आने वाली प्रतियोगिताओं में जाने के लिए बेताब हूं।

इंग्लैंड ने पहली पारी में बनायी बढ़त

बर्मिंघम, 18 जून । इंग्लैंड ने स्टुअर्ट ब्रॉड (68/3) और ओली रॉबिनसन (55/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत पहले एशेज़ टेस्ट की पहली पारी में रविवार को ऑस्ट्रेलिया को 386 रन पर ऑलआउट कर दिया।

पहली पारी में 393/8 का स्कोर खडा करने वाली इंग्लैंड ने इसी के साथ सात रन की बढ़त भी बना ली। उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक 141 रन बनाये। उन्होंने अपनी 321 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के लगाये। इसके अलावा एलेक्स कैरी ने 66 रन की, जबकि ट्रैविस हेड ने 50 रन की पारी खेली। कैमरन ग्रीन और पैट कमिंस ने 38-38 रन का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत 311/5 के स्कोर से की। ख्वाजा ने मोईन अली को एक छक्का जडकर अपने हाथ खोले। कैरी ने भी जेम्स एंडरसन को दो चौके जडे, लेकिन तीसरी गेंद पर वह बोल्ड हो गये। छह विकेट गिरने के बावजूद सलामी बल्लेबाज ख्वाजा अच्छी लय में दिख रहे थे। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान कमिंस ने पिच पर उनका साथ दिया। दोनों बल्लेबाज़ों ने ऑस्ट्रेलिया को 350 रन के पार ले जाते हुए सातवें विकेट के लिये 44 रन की साझेदारी की।

यह जोडी ऑस्ट्रेलिया को बढत दिला सकती थी, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स ने ख्वाजा का बहुमूल्य विकेट लेने के लिये अजीबोगरीब फील्ड सजाई। वह कवर्स के क्षेत्र के छह फील्डरों को 30 गज़ के दायरे में ले आये। ख्वाजा ने रॉबिनसन की गेंद को आगे बढकर फील्डरों के ऊपर से खेलना चाहा लेकिन इस प्रयास में वह बोल्ड हो गये।

ख्वाजा का विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड ने अंतिम तीन बल्लेबाजों को मात्र 14 रन के अंदर पवेलियन भेज दिया। रॉबिनसन ने कमिंस और नेथन लायन का विकेट लिया, जबकि ब्रॉड ने स्कॉट बोलैंड को चलता किया।

बंग्लादेश वनडे के लिये फिट हुए राशिद

काबुल, 18 जून। अनुभवी लेग-स्पिनर राशिद खान को बंगलादेश के खिलाफ पांच जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिये टीम में चुना गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने रविवार को यह जानकारी दी।

अफगानिस्तान और बंगलादेश के बीच पिछले हफ्ते खेले गये एकमात्र टेस्ट में चोटग्रस्त राशिद हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि अब उन्हें फिट घोषित कर दिया गया है।

एकदिवसीय शृंखला के लिये युवा स्पिनर नूर अहमद अफगानिस्तान टीम में जगह नहीं बना सके, हालांकि लेग-स्पिनर इज़हारुल हक़ नवीद को पहली बार वनडे टीम में तलब किया गया है।

शाहिदुल्लाह, जिया-उर-रहमान, वफादार मोमंद, मोहम्मद सलीम और सैयद शिरजाद को भी पहली बार टीम में जगह दी गयी है। एसीबी ने बंगलादेश शृंखला के लिये टीम घोषित करने के अलावा आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिये 10 अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी चुना है।

बंग्लादेश वनडे के लिये अफगानिस्तान टीम : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल, राशिद खान, अजमतुल्ला उमरजई, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान, इजहारुलहक नवीद, शाहिदुल्लाह, जिया-उर-रहमान, वफ़ादार मोमंद, मोहम्मद सलीम, सैयद शिरज़ाद। अफगानिस्तान अतिरिक्त खिलाडी : करीम जन्नत, जुबैद अकबरी, कैस अहमद, इहसानुल्लाह जनत, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, नवीन-उल-हक, फरीद मलिक, दरवेश रसूली, इशाक रहीमी।

सात्विक-चिराग ने जीता इंडोनेशिया ओपन

जकार्ता, 18 जून । सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोडी ने रविवार को इंडोनेशिया ओपन 2023 के फाइनल में गत विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सूह वूईयिक को हराकर ऐतिहासिक खिताब जीत लिया।

सात्विक-चिराग ने विश्व की नंबर तीन मलेशियाई जोडी को 21-17, 21-18 से हराने में सिर्फ 43 मिनट का समय लिया। सात्विक-चिराग इंडोनेशिया ओपन का युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय हैं। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर बैडमिंटन में इस जोडी का पहला सुपर 1000 खिताब भी है।

इस ऐतिहासिक जीत के लिये हालांकि भारतीय युगल को संघर्ष करना पडा। खिताबी मुकाबले में सात्विक-चिराग की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जबकि मलेशियाई जोडी ने 7-3 की बढत ले ली। सात्विक-चिराग ने जल्द ही लय हासिल करते हुए 7-7 पर बराबरी की और ब्रेक तक 11-9 की बढत बना ली। इसके बाद सात्विक-चिराग ने अपने मलेशियाई प्रतिद्वंदियों को वापसी का मौका नहीं दिया और पहला गेम 21-17 से जीतने में सफल रहे। दूसरे गेम में भी आरोन-सूह ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन भारतीय युगल ने जल्द ही मुकाबले पर काबू पा लिया। स्कोर 6-6 पर बराबर होने के बाद सात्विक-चिराग ने दो पॉइंट स्कोर किये, जबकि मलेशियाई जोडी ने एक पॉइंट अपने पक्ष में किया। आरोन-सूह हालांकि लगातार प्रयासों के बावजूद बढत नहीं बना सके।

सात्विक-चिराग 20-14 की बढ़त बनाकर चैम्पियनशिप जीतने से सिर्फ एक पॉइंट दूर थे। मलेशियाई युगल ने इस समय आक्रामकता दिखाई लेकिन भारतीय जोडी को 21-18 से गेम और चैंपियनशिप जीतने से नहीं रोक सके।

रिकॉर्ड तोड़ छलांग के साथ विश्व चैंम्पियनशिप में पहुंचे श्रीशंकर

भुवनेश्वर, 18 जून । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन श्रीशंकर मुरली ने रविवार को यहां 62वीं राष्ट्रीय अंतर राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियन शिप की लंबी कूद प्रतियोगिता में रिकॉर्डतोड़ छलांग लगाते हुए विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाई कर लिया।

केरल के 24 वर्षीय श्रीशंकर ने क्वालीफिकेशन राउंड में 8.41 की छलांग लगाकर विश्व और एशियाई आयोजन में जगह बनायी। साथ ही उन्होंने अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना ही बनाया हुआ 8.23 मीटर का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। विश्व चैंपियनशिप में क्वालीफिकेशन चिह्न जहां 8.25 मीटर था, वहीं एशियाई खेलों के लिये एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का योग्यता मानदंड 7.95 मीटर पर निर्धारित था। भुवनेश्वर का कलिंगा स्टेडियम श्रीशंकर के लिये भाग्यशाली रहा है। उन्होंने पहली बार 2018 में इसी स्थान पर आठ मीटर का निशान छुआ था। उनके पिता और कोच एस मुरली को उम्मीद है कि उनका बेटा सोमवार को अंतिम चरण में और बेहतर प्रदर्शन करेगा। श्रीशंकर के पिता ने कहा, "वह फाइनल में बेहतर प्रदर्शन भी कर सकता है।"

केरल के मोहम्मद अनीस यहया ने भी 7.71 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ अंतिम 12 में जगह बनायी। इसी बीच, महिलाओं के लंबी कूद क्वालिफिकेशन राउंड में अग्रणी एथलीट एंसी सोजान (6.49 मीटर) ने एशियाई खेलों के क्वालीफिकेशन मार्क 6.45 मीटर को पार किया।

नयना जेम्स (6.31 मी) और शैली सिंह (6.27 मी) एशियाड के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकीं, लेकिन दोनों ने सोमवार को होने वाले फाइनल में जगह बना ली। पुरुष भाला फेंक क्वालिफिकेशन राउंड में ओडिशा के किशोर कुमार जेना (79.96 मीटर), शिवपाल सिंह (79.35 मीटर) और अनुज कालरा (79.04 मीटर) ने एशियाई खेलों के क्वालीफिकेशन मार्क (78.23 मीटर) को आसानी से पार किया।

प्ररदर्शन पर कोई सवाल न उठे इसलिए श्रीशंकर ने स्वयं ही डोप जांच के लिए नमूना दिया

भुवनेश्वर, 18 जून। लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर ने रविवार को 8.41 मीटर के प्रयास के साथ आगामी विश्व चैंपियनशिप का टिकट पक्का करने के बाद नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) अधिकारियों को 'स्वेच्छा से' डोप नमूना दिया ताकि 'काई उन पर संदेह ना करे'। श्रीशंकर के पिता और कोच एस मुरली ने यह जानकारी दी।

चौबीस साल के श्रीशंकर ने यहां राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैम्पियशिप में अपने पहले ही प्रयास में 8.41 मीटर की छलांग लगायी। वह हालांकि जेस्विन एल्ड्रिन के 8.42 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक सेंटीमीटर से चूक गए। एल्ड्रिन ने इसी साल राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। एल्ड्रिन इस स्पर्धा में 7.83 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

सात्विक और चिराग के लिए मलेशियाई जोड़ी को हराना विशेष उपलब्धि

जकार्ता, 18 जून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोडी ने रविवार को इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और वूई यिक सोह की जोडी को हराकर इतिहास रच दिया।सात्विक और चिराग सुपर 1000 स्तर की प्रतियोगिता को अपने नाम करने वाली पहली भारतीय जोडी बन गयी।।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने 43 मिनट तक चले मुकाबले में मलेशियाई जोडी को 21-17, 21-18 से हराया। इस भारतीय जोडी ने मलेशिया की इस जोडी के खिलाफ नौ मैचों में पहली बार सफलता हासिल की है।

सात्विक ने मैच के बाद कहा, "टूर्नामेंट जीतने से ज्यादा उन्हें हराना बडी उपलब्धि है। अगली बार जब हम उनके खिलाफ खेलेंगे तो नयी शुरुआत करेंगे।"

चिराग ने अपने जोडीदार की बातों को आगे बढाते हुए कहा, " टूर्नामेंट जीतने से ज्यादा खुशी आरोन और सोह की जोडी को हराने की है। हम काफी समय से उन्हें हराने की कोशिश कर रहे थे लेकिन करीब आकर फिसल जा रहे थे। इस बार हमने खुद का समर्थन किया।" उन्होंने कहा, " इस बार हम अपनी योजनाओं पर बने रहे और उसका फायदा भी मिला। जैसा कि सात्विक ने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है, हमें और बडे मुकाबले जीतने हैं।

उन्होंने स्टेडियम में कोच पुलेला गोपीचंद की मौजूदगी का समर्थन करते हुए कहा कि वह यहां सिर्फ उनके फाइनल मुकाबले के लिए नहीं थे, बल्कि भारतीय टीम के लिए यहां थे। सात्विक ने कहा कि गोपीचंद की मौजूदगी से उनके खेल पर काफी असर पडा। उन्होंने कहा, "दो महीने तक खराब खेल के बाद हम इस प्रदर्शन से खुश है। हम 'चीजों के नियंत्रण' में होने के बारे में सोच कर आलसी हो रहे थे लेकिन पिछले दो टूर्नामेंटों में यह समझने में सफल रहे कि अगर हमारे खेल का स्तर ऊंचा नहीं हुआ तो हम शुरूआती दौर में ही बाहर हो जायेंगे।"

उन्होंने कहा, "हमने कोच, फिजियो और ट्रेनर के साथ काफी कडा अभ्यास किया। मेरा शरीर ऐसा है जिसके चोटिल होने की संभावना बनी रहती है लेकिन मैं टीम के पीछे किए गए प्रयासों को श्रेय देना चाहूंगा। यहां तक कि गोपी सर भी हमारे मैचों के लिए लंबे समय बाद आए, मुझे ऐसा लगा कि कोर्ट पर कोई जादूगर मौजूद है। जब वह वहां होते हैं तो मैं बहुत सकारात्मक महसूस करता हूं।"

चिराग ने कहा उन्हें शानदार तरीके से मैच जीतने की खुशी है। उन्होंने कहा, "मैं यह नहीं कहूंगा कि यह सबसे अच्छा मैच था, लेकिन हम काफी आत्मविश्वास के साथ खेले।" उन्होंने कहा, " इस मैच में हम अपनी योजना पर टिके रहे। उनके खिलाफ इससे पहले के आठ मैचों में हम हावी होकर नहीं खेल पा रहे थे लेकिन इस मुकाबले में अपनी योजना पर डटे रहे।

बृजभूषण के खिलाफ पहलवानों के विरोध पर साक्षी और बबीता के बीच वाकयुद्ध

नयी दिल्ली, 18 जून। साक्षी मलिक ने रविवार को पूर्व पहलवान और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता बबीता फोगाट पर आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध में उन्होंने सरकार का साथ दिया। बबीता ने इसके जवाब में दावा किया कि रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी 'कांग्रेस की कठपुतली' बन गई हैं। साक्षी और उनके पति सत्यव्रत कादियान ने शनिवार को वीडियो पोस्ट करके कहा था कि पहलवानों का प्रदर्शन राजनीति से प्रेरित नहीं है और यह किसी भी तरह से कांग्रेस से प्रेरित नहीं है और बबीता तथा भाजपा के एक अन्य नेता तीरथ राणा ने शुरुआत में पहलवानों के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए पुलिस से स्वीकृति लेने में मदद की थी।

रविवार को साक्षी ने शनिवार के अपने वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने बबीता और राणा पर तंज कसा था कि कैसे उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए पहलवानों का इस्तेमाल करने का प्रयास किया लेकिन हास्यबोध की कमी के कारण इस तंज को समझा नहीं गया।

साक्षी ने ट्वीट किया, "वीडियो (शनिवार को डाले गए) में हमने तीरथ राणा और बबीता फोगाट पर तंज कसा था कि कैसे वे अपने स्वार्थ के लिए पहलवानों को इस्तेमाल करना चाह रहे थे और कैसे पहलवानों पर जब विपदा पडी तो वे जाकर सरकार की गोद में बैठ गए।" उन्होंने कहा, "हम मुसीबत में जरूर हैं लेकिन हास्यबोध इतना कमजोर नहीं हो जाना चाहिए कि ताकतवर को काटी चुटकी पर आप हंस भी न पाएं।"

जनवरी में पहलवानों के तीन दिवसीय प्रदर्शन के दौरान पहलवानों और सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाली बबीता ने साक्षी को लंबा जवाब देते हुए ट्वीट में दावा किया कि उनका पहलवानों के प्रदर्शन से कोई लेना देना नहीं है क्योंकि वह पहले ही दिन से सडक पर आंदोलन के खिलाफ थीं। विरोध से दूरी बनाते हुए बबीता ने लिखा, "मुझे कल बडा दुख भी हुआ और हंसी भी आई जब मैं अपनी छोटी बहन (साक्षी) और उनके पति का वीडियो देख रही थी। सबसे पहले तो मैं ये स्पष्ट कर दूं की जो अनुमति का कागज छोटी बहन दिखा रही थी उस पर कहीं भी मेरे हस्ताक्षर या मेरी सहमति का कोई प्रमाण नहीं है और ना ही दूर-दूर तक इससे मेरा कोई लेना देना है।"

उन्होंने लिखा, "मैं पहले दिन से कहती रही हूं कि प्रधानमंत्री पर एवं देश की न्याय व्यवस्था पर विश्वास रखिए, सत्य अवश्य सामने आएगा।"

बबीता ने कहा, "मैंने बार-बार सभी पहलवानों से ये कहा कि आप प्रधानमंत्री या गृहमंत्री से मिलो, समाधान वहीं से होगा लेकिन आपको समाधान दीपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस और प्रियंका गांधी में नजर आया जिनके साथ बलात्कार एवं अन्य मुकदमे में फंसे लोग आ रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "आज जब आपका यह वीडियो सबके सामने है तो उससे अब देश की जनता को समझ में आ जाएगा कि नए संसद भवन के उद्घाटन के पवित्र दिन आपका विरोध और राष्ट्र के लिए जीता हुआ पदक गंगा में प्रवाहित करने की बात देश को कितना शर्मसार करने जैसा था।"

बबीता ने कहा, "देश की जनता समझ चुकी है कि आप कांग्रेस के हाथ की कठपुतली बन चुकी हो। अब समय आ गया है कि आपको आपकी वास्तविक मंशा बता देनी चाहिए क्योंकि अब जनता आपसे सवाल पूछ रही है।"

राणा ने हालांकि इन आरोपों को खारिज किया कि उन्होंने पहलवानों का इस्तेमाल निजी स्वार्थ के लिए किया। उन्होंने कहा, "पहलवान आए और मेरे से मिले (विरोध शुरू करने से पहले) और उन्होंने कहा कि उनका शोषण किया गया है। हमने कहा कि हम अपनी बहनों और बेटियों के साथ हैं। न्याय की लडाई में मैं खिलाड़ियों के साथ हूं। मैं पहले भी उनके साथ था और अब भी हूं।"

वीडियो को वट्सऐप ग्रुप में साझा किया गया था जिसे वीडियो से जुडी जानकारी प्रसारित करने के लिए बनाया गया था और बाद में राणा से जुडा वीडियो ग्रुप से डिलीट कर दिया गया। राणा ने वीडियो में कहा, "देखिए, पहलवान देश का गौरव हैं और भाजपा के लिए खिलाडियों का सम्मान सर्वोच्च है और मैं भी उनका काफी सम्मान करता हूं। मैंने हमेशा खिलाडियों का समर्थन किया है।" साक्षी, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया सहित देश के शीर्ष पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीडन और डराने-धमकाने का आरोप लगाया है और उसे गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

कादियान ने शनिवार को वीडियो में दावा किया था कि अगर वे पदकों को गंगा में विसर्जित करने का कदम उठाते तो हिंसा हो सकती थी। राणा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "इस तरह की कोई बात नहीं हुई कि ऐसा करने (पदकों को विसर्जित करने) से हिंसा होगी। खिलाड़ियों के बीच गुस्सा था और उन्होंने फैसला किया कि वे अपने पदक गंगा में विसर्जित करेंगे लेकिन देश के लोगों का मानना था कि खिलाड़ियों को ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए।"